खबर संक्षेप

यातायात जागरूकता अभियानः बांटे गए पंपलेट

सतना। यातायात पुलिस द्वारा आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए पंपलेट वितरित किए गए। इस दौरान लोगों से हेलमेट और सीटबेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने,यातायात नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित वाहन चलाने की अपील की गई।

फिगर फिटनेस हेल्थ क्लब की 29वीं वर्षगांठ पर डिप्स प्रतियोगिता आयोजित

सतना। फिगर फिटनेस हेल्थ क्लब के परिसर में जिम की 29वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक रोमांचक डिप्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।50 से कम वजन वर्गः गुलशन साहू (प्रथम),अर्पित मिश्रा (द्वितीय),तथा तन्वी पाण्डेय व सानिध्य सेन (संयुक्त तृतीय)।50 से अधिक वजन वर्गः अमित वर्मा (प्रथम), रोहित सोनी (द्वितीय), तथा गौरव सतनामी व रमेश कुशवाहा (तृतीय)। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रम विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी हेमंत डेनियल और माया कराटे संचालक गुड्डू कनोजिया उपस्थित रहे,जिन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों की मेहनत की सराहना की।

मैहर में रानी दुर्गावती जयंती की तैयारियों को लेकर हुई बैठक, भव्य आयोजन की रूपरेखा तय

मैहर। आगामी 5अक्टूबर को वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जनसभा आयोजित करने को लेकर एडवोकेट कमल सिंह मरकाम के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। भगवान बिरसा मुंडा जनजाति समाज के बैनर तले हुई इस बैठक में जयंती को गरिमापूर्ण ढंग से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान मैहर में रानी दुर्गावती और भगवान बिरसा मुंडा के भव्य स्मारक के निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा,क्षेत्र में प्रस्तावित कंजर्वेशन रिजर्व और पात्र आदिवासियों को वन अधिकार पत्र दिलाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इस संबंध में महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपने का भी निर्णय लिया गया।

सतना और मैहर में मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, उठाई निष्पक्षता की मांग



सतना/मैहर। कांग्रेस ने मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सतना में एक बड़ा प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी नेताओं ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने,हटाने और संशोधन से जुड़ी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की मांग की। सतना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने मांग की कि पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़े सभी दस्तावेजों और आपत्तियों की जांच समयबद्ध तरीके से हो,ताकि मतदाताओं का भरोसा चुनाव प्रणाली पर बना रहे। प्रदर्शन में युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस,और विभिन्न दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके बाद महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब एक तरफ विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग और विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक खींचतान चल रही है वहीं दूसरी तरफ चुनाव प्रक्रिया की कार्यप्रणाली पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं।

मैहर में घंटाघर पर पुतला दहन

मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं,एस आई आर प्रक्रिया एवं मतदाता अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी मैहर द्वारा विरोध प्रदर्शन एवं पैदल मार्च आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रेस्ट हाउस परिसर से हुई,जहां से कांग्रेसजन पैदल मार्च करते हुए घंटाघर चौराहे पहुंचे। घंटाघर चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया। इसके बाद कांग्रेसजन पैदल मार्च करते हुए कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचे। यहां जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष धर्मेश घई'रोमी' के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने ज्ञापन में मतदाता सूची में हुए संदिग्ध परिवर्तनों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने,प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की



सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता,निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। जिलाध्यक्ष धर्मेश घई ने कहा कि मतदाता का अधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है।मतदाता सूची से जुड़े विषयों की निष्पक्ष जांच एवं निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में पंडित रामनिवास उरमालिया,डॉ रश्मि सिंह,रमेश प्रजापति,चूड़ामणि बाड़ोलिया,विक्की सोनी,महेंद्र त्रिपाठी,अजर बिहारी द्विवेदी,नितिन सराफ,जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी,विभिन्न कांग्रेस संगठनों के पदाधिकारी,वरिष्ठ कांग्रेसजन एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



मैहर के जंगलों में आतंक मचाने वाला नर हाथी बाण सागर पार कर शहडोल रवाना

मैहर। ग्रामीण इलाकों में बीते कई दिनों से दहशत का पर्याय बना नर जंगली आखिरकार मैहर की सीमा से बाहर निकल गया है। मंगलवार शाम हाथी ने बाणसागर डैम के अथाह पानी में करीब 8 किलोमीटर की लंबी दूरी तैरकर तय की और उत्तर शहडोल के जंगलों में सुरक्षित प्रवेश किया। हाथी के जिले से बाहर जाने के बाद वन विभाग और स्थानीय ग्रामीणों ने बड़ी राहत की सांस ली है। इससे पहले यह हाथी अमरपाटन और रामनगर क्षेत्र में जमकर उत्पात मचा चुका था,जहां एक किसान की भी जान चली गई थी। वन विभाग की टीम लगातार उसकी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है।

मैहर में रात 11 बजे तक दुकानें बंद करने की समझाइश



मैहर। शहर की कानून-व्यवस्था को बेहतर और चुस्त-दुरस्त बनाए रखने के उद्देश्य से मैहर थाना के नवागत थाना प्रभारी अभिषेक सिंह परिहार पुलिस बल के साथ मंगलवार रात शहर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने प्रमुख चौक-चौराहों,बाजार क्षेत्रों और रेलवे स्टेशन के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।भ्रमण के दौरान टीआई ने दुकानदारों और व्यापारियों से संवाद स्थापित कर रात 11 बजे तक अपनी दुकानें अनिवार्य रूप से बंद करने की समझाइश दी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि तय समय के बाद अनावश्यक रूप से दुकानें खुली न रखी जाएं। साथ ही,पुलिसकर्मियों को देर रात घूमने वाले संदिग्धों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए।



नगर निगम क्षेत्र में प्रस्तावित विकास कार्यों के लिए कलेक्टर ने किया स्थल निरीक्षण

सतना। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने बुधवार को आयुक्त नगर निगम डॉ. बी. नागार्जुन गौड़ा एवं संबंधित अधिकारियों के साथ नगर निगम क्षेत्र में प्रस्तावित विकास एवं योजना कार्यों के लिए विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने पुराना डिपो क्षेत्र तथा मेडिकल कॉलेज के लिए प्रस्तावित सड़क मार्ग के स्थल का निरीक्षण कर मौके की स्थिति का जायजा लिया।उन्होंने प्रस्तावित कार्यों से संबंधित स्थल,उपलब्ध भूमि एवं आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी अधिकारियों से ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रस्तावित कार्यों के संबंध में आवश्यक तैयारियां एवं आगामी कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



बिजली चोरी और अनियमितताओं पर विद्युत विभाग का शिकंजाः सतना में ताबड़तोड़ चेकिंग और कार्रवाई

सतना। बिजली चोरी और अनधिकृत उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत विभाग ने सतना संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया है। कार्यपालन अभियंता के निर्देशन में शहर के अलग -अलग इलाकों में बिजली कनेक्शनों की जांच की गई,जिसमें विद्युत अधिनियम की धारा 135 और 126 के तहत कई स्थानों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से बिजली उपयोग करने वाले कई मामले पकड़ में आए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी और अनियमितताओं के खिलाफ यह सख्त अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा,ताकि विद्युत व्यवस्था को सुचारू और पारदर्शी बनाया जा सके।

बॉलीवुड अभिनेता सतेंद्र सेलिब्रिटी जन्मोत्सव में पहुंचे



सतना। जिले के मझगवां तहसील के कसौधन समाज युवा समाजसेवी शुभम गुप्ता (छोटू) के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता सतेंद्र सिंह 'हीरो भैया' सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में पहुंचे और उन्होंने केक कटिंग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अभिनेता हीरो भैया ने प्रसिद्ध धारावाहिक 'चाचा चौधरी', जो सहारा वन टीवी चैनल पर प्रसारित हुआ,एवं 'शरारत',जो स्टार प्लस पर प्रसारित हुआ,के माध्यम से दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई। इसके साथ ही हिंदी फीचर फिल्म 'इंतकाम-द परफेक्ट गेम' में एक पत्रकार की भूमिका निभाते हुए हीरो भैया ने बड़े पर्दे पर एंट्री की। इसके बाद उन्होंने 'जिला कन्नौज','नदिया के उस पार','एक तेरा साथ','ऑफिसर अर्जुन सिंह आईपीएस','राइफल गंज' एवं 'वन टू चा चा चा' जैसी लगभग आधा दर्जन हिंदी फीचर फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है।अभिनय के साथ-साथ हीरो भैया 'मिशन जनसुनवाई चौपाल' कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में जनसेवा से जुड़े कार्यों में सक्रिय हैं।

नगर निगम के नवनियुक्त एल्डरमैन ने ली शपथ



सतना। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने कलेक्ट्रेट कक्ष में नगर निगम सतना के नवनियुक्त एल्डरमैन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार,नगर निगम अध्यक्ष (स्पीकर) राजेश चतुर्वेदी और नगर निगम आयुक्त डॉ.नागार्जुन बी.गौड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल

सतना। कोटर-सतना मार्ग पवैया के पास सड़क किनारे बकरी चरा रही एक महिला को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है,जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।



मां शारदा मंदिर मार्ग की सुरक्षा कड़ीः तेंदुए की आवाजाही पर 20 हाईटेक कैमरों से होगी निगरानी

मैहर। प्रसिद्ध मां शारदा मंदिर की पहाड़ी और आसपास के सीढ़ी मार्ग पर तेंदुए की लगातार आवाजाही को देखते हुए वन विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है।

श्रद्धालुओं की पुख्ता सुरक्षा और तेंदुए की हर गतिविधि को ट्रैक करने के लिए मंदिर परिसर और संवेदनशील रास्तों पर कुल 20 हाईटेक नाइट विजन एवं ट्रैप कैमरे लगाए जा रहे हैं। मंगलवार शाम से ही कैमरों को स्थापित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है,जिनमें से शुरुआती कैमरे लगाए जा चुके हैं। डीएफओ विद्या सरण मिश्रा और एसडीओ सिद्धार्थ दीपांकर सहित पूरा प्रशासनिक अमला पहाड़ी क्षेत्र का निरीक्षण कर रहा है। विभाग ने श्रद्धालुओं से भी पूरी तरह सतर्क रहने की अपील की है।



नाम सुधार सूचना

मैं Sister Christo D/o. Kuriako निवासी Christ Jyoti Higher Secondary School, PB No. 22, Rewa Road, Satna (M.P.)-485001 सर्व साधारण को सूचित करती हूँ कि मेरे पुराने पासपोर्ट में मेरा नाम Rosy Maraikunnel Kuriako Alias (उर्फ) Sister Christo दर्ज है जो कि दोनों मेरे ही नाम है। लेकिन मेरे अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम Sister Christo है। अतः भविष्य में सभी सरकारी एवं गैर सरकारी दस्तावेजों में नाम सुधार कर Sister Christo D/o. Kuriako के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

खबर संक्षेप



गड्ढों में गुम हुई सड़क जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे नौनिहाल

देवेंद्रनगर। सलेहा मार्ग इन दिनों बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुका है। सड़क की बदहाल हालत के चलते राहगीरों के साथ सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। रोजाना इसी मार्ग से गुजरने वाले छात्र-छात्राओं को गड्ढों से बचाकर निकलना पड़ता है, वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों के अनियंत्रित होकर पलटने तक का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की जर्जर हालत के चलते आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदारों की नींद टूटने का नाम नहीं ले रही। गड्ढे बढ़ते गए, जिम्मेदारों की खामोशी भी लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं, लेकिन विभागीय जिम्मेदार अधिकारी मानो कुंभकरणी नींद में सो रहे हों। बारिश के बाद स्थिति और बदतर हो गई है। लोगों का सवाल है कि आखिर किसी बड़े हादसे के बाद ही विभाग की आंखें खुलेंगी या इससे पहले सड़क की सुध ली जाएगी? स्थानीय लोगों ने सड़क की तत्काल मरम्मत कर गड्ढों को भरने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की मांग की है।

अजयगढ़ का स्वास्थ्य केन्द्र बदहाल स्थिति में, मरीजों को नहीं मिल रहा सही इलाज

अस्पताल में सुबह मरीजों नहीं दिया जाता चाय-नास्ता, शाम को नहीं खुलती ओपीडी

एक एमपीडब्ल्यू कार्यकर्ता के भरोसे चल रहा अस्पताल, बीएमओ की स्थिति शून्य, मरीजों को नहीं मिल रहा पोषण आहार, बेड में चादर की भी नहीं व्यवस्था







पन्ना जिले के अजयगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र में भारी अनियमित्तायें चल रही है, मरीजों को देखने के लिये न तो सही समय पर डॉक्टर उपलब्ध रहते है और न ही मरीजों के लिये अस्पताल में कोई व्यवस्थायें है। विगत एक सप्ताह से मरीज स्वयं प्राइवेट मेडिकल दुकानों से सिरिंज खरीद रहे है तथा चिकित्सालय में जो मरीज भर्ती है उन्हें न तो नास्ता दिया जाता और न ही पौष्टिक आहार दूध की व्यवस्था है। जो मरीज भर्ती होते है उन्हें शाम को वापस घर भेज दिया जाता है जो बेड पड़े हुये है उनमें बिछायत के लिये चादर भी नहीं है। अजयगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बदहाल स्थिति में है वहां पर भर्ती रामसजीवन अहिरवार जो बरकोला के कहने वाले है उन्होंने बताया कि सिर्फ सुबह चाय दी जाती है लेकिन 30 सितम्बर 2026 को चाय भी नहीं दी गई। ग्राम सिन्हाई की मीरा बाई कोंदर जो अजयगढ़ अस्पताल में भर्ती है उन्होंने बताया कि एक टाइम का भोजन दिया जाता है तथा चाय नास्ता नहीं दिया जाता। इसी तरह अस्पताल में भर्ती सुधा प्यारी रैकवार ने भी बताया कि सुबह का नास्ता नहीं मिलता है तथा रात में भोजन भी नहीं मिलता अस्पताल से दवाइयां भी नहीं मिलती क्योंकि जहां स्टोर में दवाइयां रखी है वहां बरसात में पानी टपक रहा था अधिकांषतः दवाइयां खराब स्थिति में है जिसके कारण मरीज प्राइवेट दुकानों से दवायें खरीदते है। ग्राम बरियारपुर कुर्मियान के अषोक कुमार शुक्ला ने बताया कि मेरी मां भर्ती रही है शाम को ओपीडी नहीं लगती तथा ओपीडी में भीर्त कराने के लिये 40 रूपय में पर्चा बनता है। अपनी मां कमला देवी शुक्ला के लिये भी मैने इतने ही रूपये में पर्चा बनवाया था। अजयगढ़ अस्पताल में विगत 20 वर्ष से चतुर सिंह सिर्फ अकेले ड्रेसर है जो ईमानदारी से सही ड्यिूटी कर रहा है शेष कोई भी कर्मचारी अपने कर्तव्यों का सही तरीके से कर्तव्यों का निर्वाहन नहीं कर रहे। एक एमपीडब्ल्यू कार्यकर्ता के भरोसे से पूरा अजयगढ़ अस्पताल चल रहा है तथा उसी के द्वारा अस्पताल में खाना-पीना की व्यवस्थायें मुहैया कराई जाती है तथा उसी के इषारे पर अस्पताल के कर्मचारी ही नहीं डॉ0 भी चलते है।

जिले के स्वास्थ्य सेवाओं की बात करें तो किस तरह से शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अजयगढ़ जो कभी देखने लायक मॉडल अस्पताल हुआ करता था। आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को प्रातः लगभग 9:30 बजे जब अस्पताल का निरीक्षण किया गया जहां मरीजों को पलंग में एक भी चादर नहीं दिये गये थे वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अजयगढ़ में ही एनआरसी जो संचालित है यहां कुपोषित बच्चों के पोषण आहार में भी डांका डाला जा रहा आखिरकार बच्चों को जो पोषण आहार मिलना चाहिए उसमें साफतौर पर न दूध न फल और न नाष्ता दिया जाता है। यह कहना है एनआरसी में सेवा देने वाली रीता पाठक का वहीं इसके प्रभारी के रूप में फूलचंद्र अहिरवार दायित्व निभाते है जो ठेकेदार के ऊपर इसको जिम्मेदार मानते है इतना ही नहीं वैसे भी जो गरीब बच्चे होते है जिन्हें शासन के द्वारा पोषित करने के लिए उनका भविष्य संवारने के लिए एनआरसी में भर्ती करके बच्चों को पोषित किया जाता है वहीं उनकी माताओं को भी शासन के मापदण्ड के अनुसार किस तरह से व्यवस्था की गई है पर यहां तो रात्रि के समय वापिस उन्हें घर भेज दिया जाता है आखिर इन्हें जो पोषित करने के लिए शासन के द्वारा भोजन व पोषण आहार दिया जाता है इसको कौन खा रहा है। जिन्हें दूध न फल और न नाष्ता नहीं मिलता है। इतना ही नहीं इस अस्पताल में उपचारत मरीजों को भोजन दिया जाता है। जब इन रसोईयों से बात की गई तो मात्र लौकी की सब्जी और रोटी दी गई। तीन दिन से चावल नहीं वहीं गर्भवती माताओं को चार माह से लड्डू नहीं मिले यह बताया सुदामा बाई कुषवाहा जो अस्पताल में रसोईये का काम करती है। वहीं इस अस्पताल में जो संबंधित ठेकेदार है पंकज मिश्रा नाम का इसको जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। जबकि बीएमओ डॉ. शोभाराम शर्मा साफतौर पर अपनी बात कह रहे है। हमसे कोई लेनादेना नहीं आखिरकार जब बीएमओ को जिम्मेदार कौन है। जो अपने आप में सबसे बड़ा सवाल है। इतना हीं नहीं मरीजों को भी रात्रि में घर भेज दिया जाता है यह बताया अषोक शुक्ला जिनकी मां भर्ती थी कमला बाई शुक्ला निवासी बरियारपुर कर्मियान आखिरकार मामला इतना हीं नहीं इस अस्पताल में जो दवाओं का स्टोर है वहां बारिष के पानी का सीपेज बाखूबी नजर आ रहा है। स्टोर प्रभारी का कहना है कि बीएमओ साहब को बता दिया गया है आखिरकार दवायें भी सुरक्षित नहीं है। वहीं सबसे गौरतलब बात तो यह है कि समूचे अजयगढ़ तहसील अंतर्गत जहां मात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अजयगढ़ में ही जब हालात इस तरह के बदत्तर है यहां पदस्थ चिकित्सक डॉ. हर्षित गुप्ता जिनकी सेवायें बरियारपुर में निहित है तथा डॉ. आषीष शर्मा, डॉ. शोभाराम शर्मा अजयगढ़ में पदस्थ है बीएमओ पद पर डॉ. शोभाराम शर्मा को दायित्व निर्वाहन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिनका जवाब तो अस्पताल की व्यवस्था को लेकर कुछ इस तरह था कि मैं महज अपने घर खाना खाने व फ्रेस होने जाता हूं 365 दिन 24 घंटे यहीं रहता हूं फिर भी अस्पताल की सेवाओं को लेकर अगर यह संभाल नहीं सकते तो ऐसे 24 घंटे रहने के पीछे इनका क्या माना जाये। आखिरकार इन्हें इस अस्पताल का बीएमओ क्यों बनाये रखा गया है जो अपने आप में बड़ा सवाल है। इस अस्पताल में पड़ताल में यह निकलकर आया कि यहां आरामगंज में पदस्थ एमपीडब्ल्यू फूलचंद्र अहिरवार जो अस्पताल अजयगढ़ में वैक्सीन डिपो का प्रभारी है वहीं लेखा पाल का दायित्व भी इन्हीं के ऊपर है साथ ही एनआरसी के भोजन तथा अस्पताल में मरीजो को मिलने वाला भोजन की व्यवस्था को लेकर भी यही देखरेख कर रहे है। जब फूलचंद्र से बात की गई तो इनका कहना है कि लगभग डेढ़ लाख रूपये दूध का पैसा बांकी है 50 हजार रूपये किराना के सामान के पैसे शेष है आखिरकार तो अजयगढ़ अस्पताल में जिस तरह से एनआरसी में भर्ती होने वाले कुपोषित बच्चों के भोजन व पोषण आहार में भी स्वयं का हित साधा जा रहा है। सीधेतौर पर गरीबों का निवाला छीना जा रहा है। वह दुख की घड़ी में मरीजों को मिलने वाली खुराक में भी कुताही बरती जा रही है। आखिरकार फिर भी बीएमओ अजयगढ़ यहां 24 घंटे 365 दिन रहते है तभी तो हालात बद से बदत्तर हो रहे है। तो अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुधारने को लेकर जिम्मेदार कौन है। जो अपने आप में बड़ा सवाल है। वहीं प्राथमिक अस्पताल व उप स्वास्थ्य केन्द्रों का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। किस हालात में होगें जबकि चंदौरा, बरियारपुर, धरमपुर, खोरा सभी प्राथमिक अस्पताल है जहां मात्र बरियारपुर में हर्षित गुप्ता चिकित्सक के रूप में पदस्थ है शेष सभी प्राथमिक अस्पतालों में चिकित्सक नहीं। अजयगढ़ अस्पताल के भरोसे ही समूचे अजयगढ़ तहसील की आम जनता स्वास्थ्य सेवायें लेने को मजबूर है फिर भी शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अजयगढ़ में मरीजों को मिलने वाली सेवायें सुचार रूप से नहीं मिल पा रही है। पलंगों में चादर नहीं इनजेक्षन लगाने के लिए सीरेंज नहीं वहीं मरीजों के भोजन व एनआरसी में पोषण आहार को लेकर भी स्वयं का आहार बनाकर डकारा जा रहा फिर भी जिम्मेदार बीएमओ 24 घंटे 365 दिन रहने का दावा करते है मात्र अपने निवास भोजन करने व फ्रेस होने जाने की बात कहते है तो फिर ऐसे अक्षम चिकित्सक को बीएमओ पद की जिम्मेदारी देने के लिए कौन है जिम्मेदार। जो अस्पताल को बद से बदत्तर हालात में पहुंचाने को लेकर माना जा रहा है। कभी यह अस्पताल जिले का मॉडल अस्पताल हुआ करता था आज बदत्तर हालात को लेकर आंसू बहां रहा अस्पताल। इस सारी दास्ता को लेकर अजयगढ़ एसडीएम को भी बताया गया अब देखना यह है कि जिम्मेदार जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का क्या

इनका कहना है-

मैं स्वयं एक या दो दिन में पहुंचकर निरीक्षण करता हूं लापरवाही बर्दास्त नहीं है।
डॉ. राजेष तिवारी
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

एसआईआर को लेकर कांग्रेस ने किया कलेक्ट्रेट का घेराव

पन्ना। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एप) को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को पन्ना में कलेक्ट्रेट का घेराव कर प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के अध्यक्ष अनीश खान के नेतृत्व में जिलेभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता छत्रसाल पार्क में एकत्रित हुए। प्रदर्शन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की गई और मतदाता सूची से जुड़े निर्णयों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग उठाई गई। मध्यप्रदेश में कांग्रेस द्वारा प और मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लेकर जिला स्तर पर प्रदर्शन का कार्यक्रम चलाया गया है। छत्रसाल पार्क से कांग्रेस कार्यकर्ता रैली के रूप में अंबेडकर चौक पहुंचे। यहां नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष स्वतंत्र प्रभाकर अवस्थी के नेतृत्व में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर नारेबाजी की गई। इसके बाद रैली बलदेव चौक और बड़ा बाजार होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात रहा और मुख्य गेट पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अंदर जाने से रोक दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से कहा गया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिए। कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में लिए गए प्रमुख निर्णयों एवं निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं की व्यापक और स्वतंत्र समीक्षा की मांग की।

मझगाय डैम के मुद्दे पर भी प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट गेट पर ज्ञापन लेने पहुंचे अधिकारियों के समक्ष मझगाय डैम से जुड़े मुद्दे भी उठाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मझगाय डैम क्षेत्र में प्रशासन एवं पुलिस द्वारा आदिवासी ग्रामीणों के साथ बर्बरता की गई। कांग्रेस ने इसकी जांच कराने तथा डैम से प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों को उचित मुआवजा और



व्यवस्थापन उपलब्ध कराने की मांग रखी।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि इन मांगों पर प्रशासन की ओर से उचित कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद ही ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रशासन द्वारा जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में ये प्रमुख मांगें रखीं

ज्ञापन में कांग्रेस ने मांग की कि ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में लिए गए प्रमुख निर्णयों एवं निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं की व्यापक एवं स्वतंत्र समीक्षा कराई जाए। मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन की प्रक्रिया की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए। पात्र मतदाताओं के नाम छूटने अथवा अपात्र व्यक्तियों के नाम शामिल होने संबंधी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक सुधार किए जाएं। निर्वाचन प्रक्रिया एवं मतदाता सूची से संबंधित रिकॉर्ड एवं आंकड़ों में पारदर्शिता तथा सार्वजनिक जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। समीक्षा या जांच में किसी प्रकार की अनियमितता अथवा प्रक्रिया संबंधी कमी सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को मजबूत करना तथा प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पार्टी ने राष्ट्रपति से संबंधित संवैधानिक एवं सक्षम संस्थाओं के माध्यम से मामले की निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं व्यापक समीक्षा कराने का अनुरोध किया। प्रदर्शन एवं ज्ञापन के दौरान पूर्व विधायक श्रीकांत दुबे, महेंद्र बागरी, पूर्व प्रत्याशी जीवनलाल सिद्धार्थ,

आत्म निर्भरता की नई लहर, जे.के. सीमेंट ने यदुपाती सिंघानिया के जन्मदिन पर बदल रही हैं लोगों की जिंदगी

अमानगंज। देश के दिग्गज उद्योग समूहों में शामिल जे के सीमेंट ने सामाजिक सरोकार की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने पूरे इलाके में क्रांति ला दी है! संस्था के विजनरी फाउंडर एमडी स्व. श्री यदुपति सिंघानिया जी के जन्मदिन की शुभ श्रृंखला के तहत, स्थानीय क्षेत्रों में कौशल विकास, युवा उद्यमिता और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। कौशल विकास से बनती 'आत्मनिर्भर नारी' घर के चूल्हे-चौके से लेकर ब्यूटीशियन व सिलाई तक का धमाकेदार सफर। जे के सीमेंट के मेगा सोशल इनीशिएटिव ने साबित कर दिया है कि अगर हौसला पक्का हो, तो महिलाएं हर मुकाम हासिल कर सकती हैं। महिलाओं और बच्चियों को हुनर, अभी तक 350 से अधिक महिलाओं और बच्चियों को ब्यूटीशियन और सिलाई का



हाई-लेवल प्रोफेशनल ट्रेनिंग दिया जा चुका है। ट्रेनिंग पूरी करते ही इन महिलाओं ने अपनी खुद की किस्मत लिखने की शुरुआत कर दी है। सफलता का शानदार आगाज नए उद्यमों का किया गया उद्घाटन.जैसे सुधा कुशवाहा (पति श्री शिव कुमार) ने अपने शानदार ब्यूटी पार्लर की धमाकेदार शुरुआत की है और ब्यूटी पार्लर का श्रीगणेश करके आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

88 युवाओं ने थाम ली बिज़नेस की बागडोर

नौकरी लेने वाले नहीं, बल्कि रोज़गार देने वाले बनेष्कृ इस सपने को हकीकत में बदल दिखाया है जे के सीमेंट ने मास्टर मेंटरशिप का कमालरू कंपनी के एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इनीशिएटिव के तहत अभी तक 88 युवाओं को विशेष मेंटरशिप दी गई है। 88 पावरफुल आंत्रप्रेन्योर तैयाररू आज इसका नतीजा सबके सामने है कृ 88 युवा उद्यमी पूरी शान के साथ अपने खुद



के बिजनेस का सफल संचालन कर रहे हैं और दूसरों के लिए भी रोज़गार के नए रास्ते खोल रहे हैं। सेवा का महायज्ञ, अस्पतालों में बंटी खुशियां और जीवनदायिनी किट्स सिर्फ व्यवसाय ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए जे के सीमेंट की टीम ने स्वास्थ्य सेवा के मोर्चे पर दिल जीतने वाला कार्य किया। अमनगंज और सिमरिया अस्पताल में पहुंचकर वहां भर्ती सभी मरीज़ों को स्वास्थ्य लाभ के लिए ताज़े फलों का वितरण किया गया। नवजात शिशुओं और माताओं की बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के लिए अस्पतालों में विशेष मैटर्नल किट्स और बेबी किट्स भेंट की गईं, जिससे अस्पताल के परिसरों में परिवारों के चेहरों पर खिलखिलाती हुई मुस्कान बिखर गई। ष्समाज के हर वर्ग को शिक्षित, कौशल युक्त और आत्मनिर्भर बनाना ही स्व. श्री यदुपति सिंघानिया जी का सच्चा सपना था, और आज जे के सीमेंट इसी राह पर पूरी ताक़त और निष्ठा के साथ आगे बढ़ रहा है।

न्याय की मांग को लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे ग्रामीण





अमानगंज में भी सौंपा ज्ञापनपॉक्सो मामले में निष्पक्ष जांच की मांग, ग्रामीण बोले—तथ्यों की जांच के बाद हो कार्रवाईअमानगंज। ग्राम द्वारी रतनपुरा सहित आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में पन्ना स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और एक प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। ग्रामीणों में महिलाएं, बुजुर्ग और अन्य लोग शामिल रहे। एसपी कार्यालय के बाद ग्रामीण अमानगंज लौटे, जहां थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया। इसके बाद तहसीलदार अमानगंज को भी आवेदन देकर मामले की जांच की मांग की गई।ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन में ग्रामीणों ने गौरीशंकर ढीमर के विरुद्ध दर्ज मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए अधिकारियों को आवेदन सौंपा एवं पॉक्सो प्रकरण को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग उठाई गई है। आवेदन में जमीनी विवाद का उल्लेख करते हुए मामले में लगाए गए आरोपों की जांच करने तथा घटनाक्रम से जुड़े सभी तथ्यों और साक्ष्यों की निष्पक्षता से पड़ताल किए जाने की मांग की गई है।ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित व्यक्ति के पक्ष में वे इसलिए पहुंचे हैं क्योंकि उनके अनुसार वह सीधे-साधे स्वभाव का है और गांव में उसके संबंध में पूर्व में कोई शिकायत सामने नहीं आई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कहा कि मामले में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जाए।संबंधित व्यक्ति की पत्नी ने भी अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखते हुए परिवार और छोटे बच्चों का हवाला देकर निष्पक्ष जांच की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि यदि किसी मामले में आरोप लगाए जाते हैं तो उसकी सच्चाई जांच के माध्यम से सामने आना जरूरी है, ताकि निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय न हो।ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन और तहसील प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।आवेदन में जानकीबाई ढीमर पत्नी गौरीशंकर ढीमर ने आरोप लगाया है कि जमीन संबंधी विवाद के चलते इस्लाम खान द्वारा उनके पति गौरीशंकर को झूठे मामले में फंसाने की साजिश की गई। आवेदन में 23 सितंबर 2026 की घटना का उल्लेख करते हुए मामले की जांच कर संबंधित लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।ग्रामीणों का कहना है कि गौरीशंकर सीधे-साधे व्यक्ति हैं और उनके विरुद्ध पूर्व में कोई शिकायत नहीं रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जमीन और पैसे के विवाद के चलते उन्हें झूठे केस में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।गौरीशंकर की पत्नी जानकीबाई ने अधिकारियों के समक्ष अपनी परेशानी रखते हुए कहा कि उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं और उनके पति को झूठा फंसाया जा रहा है। उनका कहना है कि मामले की वास्तविकता सामने लाने के लिए निष्पक्ष जांच जरूरी है।ग्रामीणों ने कहा कि किसी निर्दोष व्यक्ति को बिना पूरी जांच के मामले में फंसाया जाता है तो इससे आम लोगों का कानून और व्यवस्था पर भरोसा प्रभावित हो सकता है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोनों पक्षों की बात सुनकर तथ्यों के आधार पर जांच करने और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।



सब जेल पवई में श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस आत्मदेव एवं धुंधकारी के उद्धार की कथा

पवई। जिला पन्ना। सब जेल पवई में जेल प्रशासन द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस कथा व्यास डॉ. रजनीश शास्त्री जी ने आत्मदेव के कष्ट एवं धुंधकारी के उद्धार का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के माध्यम से उन्होंने कर्म, कुसंगति, सत्संग, भक्ति एवं आत्मचिंतन के महत्व को समझाते हुए बताया कि मनुष्य अपने आचरण और विचारों में परिवर्तन कर जीवन को नई दिशा दे सकता है। धुंधकारी के उद्धार का प्रसंग विशेष रूप से सुधार, आत्मबोध और सद्मार्ग पर लौटने की प्रेरणा देता है। कथा श्रवण के दौरान बंदियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन जेल प्रशासन, सब जेल पवई द्वारा किया जा रहा है इस दौरान श्रोता के रूप में पुजारी जी, भाटे वाले सरकार श्रीमती मोहिनी मिश्रा, जनपद अध्यक्ष पवई, वीरेंद्र अग्रवाल बेटू बागरी एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अतिवृष्टि एवं बाढ़ से फसलें तबाह, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष भभूत सिंह राजपूत ने किसानों के लिए 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजे की मांग

तहसीलदार ममता मिश्रा को सौंपा ज्ञापन

अमानगंज। जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के उपाध्यक्ष भभूत सिंह राजपूत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अमानगंज तहसीलदार ममता मिश्रा को प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से जिले में हुई अतिवृष्टि एवं भीषण बाढ़ से किसानों की नष्ट हुई फसलों का तत्काल निष्पक्ष सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की गई है। केन, मिडासन और पतने नदियों में उफान से फसलें जलमग्न ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अगस्त 2026 में पन्ना जिले की समस्त तहसीलों में हुई मूसलाधार बारिश से खरीफ फसलें उड़द, मूंग, तिल और सोयाबीनकृकाफी हद तक प्रभावित हुई थीं। इसके बाद 2 और 4 सितम्बर 2026 को जिले की प्रमुख नदियों (केन, मिडासन, पतने) तथा स्थानीय नालों में आई भीषण बाढ़ के कारण खेतों में जलभराव हो गया, जिससे किसानों की बची-खुची उड़द, तिल, मूंग, सोयाबीन और धान की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं। इसके उपरांत 24 से 26 सितम्बर 2026 के दौरान हुई भारी बारिश ने रही-सही कसर भी पूरी कर दी, जिससे किसान पूरी तरह आर्थिक संकट में आ गया है।

महंगाई की मार और रबी फसल की बुवाई की चिंता: जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष भभूत सिंह राजपूत ने कहा





कि महंगाई चरम सीमा पर है। खाद, बीज और डीजल के दाम अत्यधिक बढ़ने से कृषि लागत में 10 गुना तक वृद्धि हो चुकी है। ऐसे समय में शासन-प्रशासन द्वारा त्वरित आर्थिक सहायता पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। प्रमुख मांगें- संयुक्त दल से सर्वेरू राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग के संयुक्त दल का गठन कर निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से फसलों के नुकसान का सर्वे कराया जाए। 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजा। प्रभावित किसानों को कम से कम 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवजा राशि प्रदान की जाए। ज्ञापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व नगर परिषद अमानगंज के उपाध्यक्ष सौरभ दुबे,जिला महासचिव भूपेंद्र बुंदेला, दिनेश पांडेय, रामभगत सोनी, जिला सचिव अरुण सक्सेना, प्रकाश अहिरवार, कमल सिंह राजपूत, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष हक्कुन दहायत, नगर अध्यक्ष वसीम खान, मंडल अध्यक्ष मुकेश द्विवेदी, बद्री पटेल, रावेन्द्र पांडेय,विजय सिंह सिरी,संतोष गुरुद्धान, जवाहर पटेल, महेंद्र तिवारी, आशीष दुबे, छोटे महराज, वीरेंद्र खटीक, पूर्व पार्षद अश्वनी भटनागर, पूर्व पार्षद राजू खान, पूर्व पार्षद हरि चौधरी, बलवान सिंह राजपूत, राजदीप चतुर्वेदी, पीयूष देव सिंह परमार, अरुण भट्ट, आईटी सेल ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद तिवारी, राकेश प्यासी, पुष्पेंद्र सोनी, प्रहलाद तिवारी, सुनील दुबे, सुनील गुरुद्धान, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष कन्हैया तामकार, सजल तामकार, विनोद कुशवाहा, मुन्ना मिश्रा (घटारी), बलवान सिंह राजपूत (सिरी), सोनू खान, रामस्नेही आदिवासी व किसान उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप



शराब के नशे में बोलेरो चलाना पड़ा भारी

वाहन चेकिंग के दौरान चालक पर धारा 185 एम.व्ही. एक्ट के तहत कार्रवाई, बोलेरो जप्त

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक सिंगरौली श्री षियाज के.एम. (IPS) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सर्वप्रिय सिन्हा (IPS) के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री हेमन्त कुमारके पर्यवेक्षण में, थाना प्रभारी विन्ध्यनगर श्रीमती अर्चना द्विवेदी की सतत निगरानी तथा चौकी प्रभारी जयंत निरीक्षक श्री पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे वाहन चेकिंग अभियान के दौरान प्रभावी कार्रवाई की गई।चौकी जयंत पुलिस द्वारा दुद्धिचुआ बॉर्डर बैरियर के पास जयंत–शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान महिन्द्रा बोलेरो वाहन क्रमांक MP 66 T 3102 को रोककर चालक की जांच की गई। चालक के शराब के नशे में होने का संदेह होने पर नियमानुसार उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। जिला चिकित्सालय बैढ़न में कराए गए चिकित्सकीय परीक्षण के उपरांत चिकित्सक द्वारा चालक के शराब के प्रभाव में होने संबंधी अभिमत प्रदान किया गया। पुलिस द्वारा बोलेरो वाहन को जप्त कर चौकी जयंत परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया तथा चालक के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई कर प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

सिंगरौली पुलिस की अपील

शराब पीकर वाहन चलाना स्वयं एवं सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के जीवन के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। शराब का सेवन करने के बाद वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करें।*उक्त कार्रवाई में निरीक्षक पवन कुमार सिंह, सउनि जीवेन्द्र मिश्रा, प्रधान आरक्षक शिरदेलाल उइके, धीरेन्द्र, सुनील मिश्रा, आरक्षक सुरेन्द्र यादव एवं अजय यादव की सराहनीय भूमिका रही।

महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच-उपचार हेतु एनसीएल ने एनएससीबीएमसी के साथ किया एमओयू



सिंगरौली। "जन चौपाल – आपकी पुलिस आपके द्वार" के माध्यम से सिंगरौली पुलिस का आमजन से सीधा संवाद समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में एक साथ आयोजित हुई जन चौपाल, पुलिस ने सुनी आमजन की समस्याएं एवं सुझाव**पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन, रीवा श्री गौरव राजपूत एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र श्री हेमंत चौहान के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक श्री षियाज के एम. के जिला सिंगरौली के मार्गदर्शन में आज जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में "जन चौपाल – आपकी पुलिस आपके द्वार" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस एवं आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित कर क्षेत्र की समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों को सुनना तथा उनका त्वरित एवं विधिसम्मत निराकरण सुनिश्चित करना रहा।

सिंगरौली-सीधी की महिलाओं को मिलेगा लाभ

सिंगरौली। स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने सिंगरौली एवं सीधी जिलों की महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर की समय पर जांच, शुरुआती पहचान एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीएसआर के तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज (एनएससीबीएमसी), जबलपुर के साथ एमओयू किया।उक्त एमओयू के तहत एनसीएल द्वारा एनएससीबीएमसी, जबलपुर को दो वर्ष की अवधि के लिए विशेष ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग एम्बुलेंस के संचालन हेतु लगभग 2.80 करोड़ रुपये का वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाएगा।

झोलाछाप डॉक्टरो के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, बारीगढ़ नगर के अमिताशीष क्लीनिक में स्वास्थ्य विभाग और राजस्व टीम की संयुक्त छापा

लवकुशनगर।

अनुविभाग क्षेत्र के बारीगढ़ अवैध रूप से संचालित हो रहे क्लिनिको जो बिना वैध डिग्री के मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ प्रशासन ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। बारीगढ़ नगर के छोटी बाजार स्थित अमिताशीष क्लिनिक पर बुधवार की दोपहर नायब तहसीलदार एस के भट्ट और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर जीतेंद्र वर्मा, बीएसी जीतेन्द्र अहिरवार, गुज्जार नगर थाना प्रभारी सुमित सुमन की अगुवाई में एक बड़ी छापेमार कार्रवाई को अंजाम दिया गया। प्रशासन की इस औचक कार्रवाई से इलाके के अन्य अवैध क्लिनिक संचालकों और झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मच गया है।



औचक निरीक्षण में खुली अवैध क्लीनिक संचालकों, एवं पैथोलॉजी लैब की पोल -

प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि बारीगढ़ नगर में अमिताशीष क्लिनिक में नियमों को ताक पर रखकर मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इन गंभीर शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए प्रशासन द्वारा एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। बुधवार को जैसे ही नायब तहसीलदार, बीएमओ और थाना प्रभारी की संयुक्त टीम दल-बल के साथ क्लिनिक पहुंची, वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। निरीक्षण के दौरान क्लिनिक संचालक इलाज से जुड़े कुछ दस्तावेज वैध थे, तो वही कुछ दस्तावेज एवं आवश्यक डिग्री और क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत अनिवार्य पंजीयन दिखाने में पूरी तरह नाकाम रहा।

मरीजों के स्वास्थ्य के साथ हो रहे इस गंभीर खिलवाड़ और नियमों के उल्लंघन को देखते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही सख्त एक्शन लिया। प्रशासनिक टीम ने पंचनामा तैयार कर त्वरित कार्रवाई करते हुए अमिताशीष क्लिनिक से दवाई जप्त कर आवश्यक वैधानिक कागजी औपचारिकताएं पूरी की गईं।

कार्रवाई के दौरान मौजूद प्रशासनिक व स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि क्षेत्र में किसी भी सूरत में अवैध चिकित्सा पद्धतियों और बिना योग्यता के क्लीनिक चलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, यह मुहिम आगे भी निरंतर जारी रहेगी ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के भोले-भाले मरीजों को इन झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल से बचाया जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इस बड़ी कार्रवाई के बाद से नगर के मुख्य मार्गों और आसपास के ग्रामीण अंचलों में दुकानें सजाकर बैठे कई अन्य झोलाछाप अपनी-अपनी क्लीनिकों के शटर गिराकर भाग खड़े हुए।

मंदिर में पूजा से रोकने के आरोपों के बीच युवाओं ने एसडीएम को दिया ज्ञापन



पंचायत प्रशिक्षण केंद्र परिसर स्थित हनुमान मंदिर में नियमित पूजा-पाठ जारी रखने का संकल्प

नौगांव। पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र परिसर स्थित हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं को पूजा-पाठ से रोकने और परिसर में एक महिला के कथित रूप से अवैध तरीके से निवास करने के मामले को लेकर मंगलवार को युवाओं ने जनसुनवाई में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। वहीं, इसी मुद्दे को लेकर मंगलवार को मंदिर पहुंचकर सुंदरकांड का पाठ भी किया गया।

युवाओं की ओर से दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र परिसर में पूर्व से हनुमान मंदिर स्थापित है, जहां श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। आरोप है कि परिसर में रह रही महिला द्वारा श्रद्धालुओं को मंदिर में पूजा करने से रोका जाता है। ज्ञापन में गाली-गलौज, मारपीट और एससी-एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी देने के आरोप भी लगाए गए हैं। ज्ञापन में कहा गया कि संबंधित महिला को पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र का आवास खाली करने के निर्देश पूर्व में दिए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद उसके परिसर में रहने की बात कही गई है। युवाओं ने एसडीएम से मामले की जांच कर परिसर से आवास खाली कराने और मंदिर में श्रद्धालुओं को निर्बाध रूप से पूजा-पाठ करने की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की।

मामले को लेकर शनिवार को युवाओं ने मंदिर पहुंचकर कई दिनों से बंद पड़े मंदिर की साफ-सफाई कराई थी। इसके बाद सुंदरकांड का पाठ किया गया था। युवाओं ने प्रशासन से अनुमति लेकर प्रत्येक मंगलवार को सुंदरकांड कराने की बात कही थी। इसी क्रम में मंगलवार को भी मंदिर में सुंदरकांड का पाठ किया गया।

हरपालपुर स्टेशन पर चलती ट्रेन से प्लेटफॉर्म पर गिरा मजदूर

पत्नी-बेटी के साथ दिल्ली जा रहा था, नशे की हालत में बिगड़ा संतुलन; जीआरपी ने अस्पताल पहुंचाया

हरपालपुर। हरपालपुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार देर रात यूपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में सवार होते समय एक 40 वर्षीय मजदूर चलती ट्रेन से प्लेटफॉर्म पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद आरपीएफ और जीआरपी जवानों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार महोबा जिले के बुधवारा गांव निवासी बालाधीन अहिरवार अपनी पत्नी और बेटी के साथ मजदूरी के लिए दिल्ली जा रहे थे। हरपालपुर स्टेशन पर ट्रेन के रुकने के दौरान परिवार के साथ ट्रेन में चढ़ते समय भीड़ और जल्दबाजी के बीच उनका पैर फिसल गया और संतुलन बिगडऩे से वे प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े। हादसे के बाद रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने तत्काल घायल को



उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के दौरान पुलिस की पूछताछ में बालाधीन ने बताया कि उसने शराब का सेवन किया था, जिसके कारण उसका संतुलन बिगड़ गया। घटना की जानकारी पुलिस ने घायल की पत्नी और अन्य परिजनों को दे दी है। समय पर मदद मिलने से घायल को अस्पताल पहुंचाया जा सका।

शौचालयों की बदहाल स्थिति से महिला स्टाफ परेशान, खुले बिजली बोर्ड से हादसे का खतरा; शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने के आरोप

हायर सेकेंडरी स्कूल में गंदगी का अंबार दूषित पानी पीने को मजबूर छात्र

सटई। नगर के हायर सेकेंडरी स्कूल में साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति सामने आई है। स्कूल परिसर में जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा होने के साथ शौचालयों की स्थिति भी खराब बताई जा रही है। स्थिति यह है कि छात्र-छात्राओं के साथ महिला स्टाफ को भी शौचालय की सुविधा के अभाव में खुले मैदान में जाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

स्कूल में पेयजल व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि बच्चे गंदगी के बीच उपलब्ध पानी पीने को मजबूर हैं। वहीं



कक्षाओं की दीवारों पर गुटखा के निशान दिखाई दे रहे हैं। स्कूल परिसर में लगे बिजली के कुछ बोर्ड खुले और टूटे हुए बताए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। नाम न छापने की शर्त पर एक महिला शिक्षक ने बताया कि शौचालय की व्यवस्था दुरुस्त कराने के लिए प्राचार्य सुशीला वर्मा को कई बार मौखिक और लिखित रूप से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। शिक्षक का कहना है कि महिला स्टाफ को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।मामले को लेकर जब प्राचार्य सुशीला वर्मा से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो वे बिना जवाब दिए चली गईं। हालांकि, स्कूल की व्यवस्थाओं को लेकर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

बीईओ ने जांच के दिए निर्देश

मामले में बिजावर के बीईओ प्रकाश चौरसिया ने कहा कि उन्हें वीडियो और जानकारी के माध्यम से स्कूल की स्थिति की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि कमेटी गठित कर मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सर्वसम्मति से रोजगार सहायक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष चुने गए सूर्यप्रताप सिंह उर्फ़ रज्जू राजा



लवकुशनगर।

सर्वसम्मति से बुधवार के दिन झिन्न के हनुमान जी मंदिर में रोजगार सहायक संघ की इस बैठक में भारी संख्या में रोजगार सहायक शामिल हुए। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। इसके बाद नए अध्यक्ष के नाम का प्रस्ताव रखा गया। सूर्य प्रताप सिंह उर्फ रज्जू राजा की संगठन के प्रति सक्रियता और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए, सभी सदस्यों ने एक राय होकर (सर्वसम्मति से) उनके नाम पर मुहर लगा दी। रज्जू राजा के अध्यक्ष बनने की घोषणा होते ही कार्यक्रम स्थल पर हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया। उनके सभी इष्ट मित्रों, शुभचिंतकों और रोजगार सहायक साथियों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी। सोशल मीडिया से लेकर व्यक्तिगत रूप से उन्हें शुभकामनाएं दी। रोजगार सहायक साथियों का मानना है कि रज्जू राजा के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद सूर्य प्रताप सिंह उर्फ रज्जू राजा ने सभी साथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "संगठन ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूँगा। रोजगार सहायकों के हितों और उनकी जायज मांगों की लड़ाई को प्रमुखता से प्रशासन के सामने रखा जाएगा और हर साथी की समस्या का समाधान कराना मेरी प्राथमिकता होगी।

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

छतरपुर।

जिला छतरपुर के किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं और मांगों के निराकरण को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने मुख्यमंत्री के नाम छतरपुर कलेक्टर को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। संघ ने चेतावनी दी है कि किसानों की समस्याओं का समयबद्ध सीमा में निराकरण आवश्यक है, ताकि अतिवृष्टि और अन्य प्रशासनिक अव्यवस्थाओं से जूझ रहे किसानों को राहत मिल सके।

किसान नेता विनोद पटेल ने ज्ञापन में किसानों से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रमुखता से उठाया है। यूनियन ने मांग की है कि जिले के अनेक गांवों में नक्शा और राजस्व अभिलेखों की त्रुटियों व विसंगतियों को अभियान चलाकर शीघ्र सुधारा जाए। इसके अतिरिक्त केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित और विस्थापित किसानों को लंबित मुआवजे का जल्द भुगतान करने तथा



पुनर्वास नीति के तहत सुविधाएं देने की बात कही गई है। किसानों के आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सब्जियों और फलों के भंडारण हेतु जिला माइंस फंड से कोल्ड स्टोरेज के निर्माण तथा मूंगफली का न्यूनतम समर्थन मूल्य (7517 रुपये प्रति क्विंटल) घोषित कर उपार्जन केंद्र स्थापित करने की मांग रखी गई है। साथ ही आगामी रबी फसल की बोनी से पूर्व जले व खराब पड़े विद्युत ट्रांसफार्मरों को बदलने, निष्पक्ष फसल क्षति सर्वे कराकर मुआवजा देने और जंगली व अन्ना पशुओं से सुरक्षा के लिए चैनलिंक फेंसिंग कराने की अपील की गई है।

यूनियन ने गौशालाओं की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने, दूध की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर करने और खाद व उर्वरकों की कालाबाजारी करने वाले तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करने की भी पुरजोर मांग की है। किसानों ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते इन मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो क्षेत्र का किसान आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

छतरपुर के युवक अमर कुशवाहा दुबई जेल में बंद, परिवार की गुहार

छतरपुर।

जिले के सरानी गांव से जुड़ी एक ऐसी कहानी बताने जा रहे हैं, जो किसी भी परिवार के लिए दर्दनाक साबित हो सकती है। तेईस वर्षीय अमर कुशवाहा, पिता बलवान कुशवाहा के इकलौते बेटे, 13 मई 2025 को घर से निकले थे और 16 मई को दुबई पहुंच गए थे। पेंटिंग का काम करने की उम्मीद लेकर वे दिल्ली से मुंबई और फिर मुंबई से दुबई गए थे। उनके साथ रियाज खान और नरेश अहिरवार भी थे। तीनों को पप्पू सिंह नाम के एजेंट ने भेजा था। नरेश मिस्त्री का काम करने गए थे, जबकि अमर और रियाज पेंटर का काम करने की योजना लेकर निकले थे। दुबई एयरपोर्ट पर बीसीसी कंपनी के लोग उन्हें लेने आए थे।





लगभग छह-सात महीने काम करने के बाद रियाज किसी अंसारी नाम के व्यक्ति के पास पहुंच गया और वहां से अमर को भी बुला लिया। इसके बाद रियाज और अंसारी ने मिलकर अमर के दस्तावेजों से फर्जी सिम कार्ड और खाते बनवा लिए। पुलिस ने जब फर्जी सिम और खातों की धोखाधड़ी का मामला पकड़ा तो अमर को गिरफ्तार कर लिया गया। दो-तीन दिन बाद उन्हें छोड़ दिया गया, लेकिन उसके बाद अमर पांच-छह महीने तक बाहर भटकते रहे। किराए के कमरे में रहते हुए परिवार घर से पैसे भेजता रहा ताकि बेटा खाना-पीना चला सके। इसी सितंबर महीने में लगभग पंद्रह-बीस दिन पहले दुबई के दो-तीन लोगों ने अमर से नब्बे हजार रुपये ले लिए। ये पैसे पिता बलवान कुशवाहा ने भारत से भेजे थे। उन लोगों ने वादा किया था कि वे अमर को डिपोर्ट सेंटर भेजकर पंद्रह दिनों में भारत वापस पहुंचा देंगे। लेकिन उन्होंने डिपोर्ट सेंटर की जगह अमर को दुबई की अलवरसा जेल में डाल दिया। आज भी अमर उसी जेल में बंद हैं। जेल से हर एक-दो हफ्ते में उनका फोन घर आता है। हाल ही में जब फोन आया तो अमर ने पुलिस से भी कहा कि उनकी निष्पक्ष जांच कराई जाए और उन्हें रिहा किया जाए। पिता बलवान कुशवाहा इन दिनों जगह-जगह आवेदन देते घूम रहे हैं। उन्होंने छतरपुर के एसपी को, जिले के विधायक और नेताओं को, दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय को तथा विदेश मंत्रालय को आवेदन दिए हैं। मंत्रालय में आवेदन रखवाकर उन्हें आश्वासन भी मिला है कि काम हो जाएगा। परिवार की स्थिति बेहद खराब है। बेटे के बिना पूरा परिवार परेशान है। मां किरन कुशवाहा भी बेटे को भारत वापस बुलाने की गुहार लगा रही हैं। बलवान कुशवाहा का साफ कहना है कि उनके बेटे ने कोई अपराध नहीं किया। फर्जीवाड़ा दूसरों ने उनकी आईडी कार्ड का इस्तेमाल करके किया। अब वे भारत सरकार, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से यही मांग कर रहे हैं कि उनके बेटे अमर कुशवाहा को जल्द से जल्द भारत वापस बुलाया जाए।



तीन दिन में निर्माण हटाने का अल्टीमेटम

बीहर नदी किनारे 226 मकानों पर संकट

निपनिया से हमीदिया कॉलोनी तक हड़कंप, ग्रीन बेल्ट में सर्वे के बाद नगर निगम ने जारी कि नोटिस



रीवा।

शहर में बारिश के साथ हर साल सामने आने वाले बाढ़ और जलभराव के संकट के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम अब बीहर नदी के ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में बने निर्माणों पर कार्रवाई की तैयारी में है। निगम के सर्वे में नदी के तट से लगे क्षेत्र में 226 मकानों को चिह्नित किया गया है। इन निर्माणों को ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में होने और निर्माण अनुज्ञा की शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। नगर निगम ने संबंधित भवन मालिकों को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर चिह्नित निर्माण स्वयं हटाने के निर्देश दिए हैं। तय समय में निर्माण नहीं हटाने पर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 307 के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। निगम की इस कार्रवाई की सूचना के बाद निपनिया से ढेकहा की हमीदिया कॉलोनी तक रहवासियों में हड़कंप मचा हुआ है। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि यह क्षेत्र पहले से ग्रीन बेल्ट के रूप में चिह्नित था और यहां निर्माण प्रतिबंधित था, तो प्लॉटिंग से लेकर मकान बनने तक निगम का अमला क्या करता रहा? प्रभावित लोगों का कहना है कि कई मकानों के निर्माण के लिए नगर निगम की प्रक्रिया के तहत भवन अनुज्ञा ली गई थी। ऐसे में अब उन्हीं मकानों को अवैध बताकर कार्रवाई किए जाने से पहले अनुमति देने वाले अधिकारियों की भूमिका की जांच भी जरूरी है। प्रभावित रहवासियों का कहना है कि निगम ने अभी बीहर नदी के एक हिस्से में ही कार्रवाई का दायरा तय किया है। दूसरी ओर बांसघाट, गंगानगर, झिरिया से लेकर करहिया तक नदी के किनारे भी बड़ी संख्या में मकान और अन्य निर्माण मौजूद हैं। लोगों का कहना है कि यदि ग्रीन बेल्ट में निर्माण नियम विरुद्ध है तो कार्रवाई नदी के दोनों किनारों पर समान रूप से होनी चाहिए। किसी एक हिस्से के मकानों को चिह्नित कर कार्रवाई और दूसरे हिस्से को छोड़ने से लोगों के बीच कार्रवाई की निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। कार्रवाई की जद में आए रहवासियों का कहना है कि उन्होंने रातोंरात या चोरी-छिपे मकान नहीं बनाए। जमीन खरीदी, दस्तावेज तैयार किए, नगर निगम में भवन निर्माण के लिए आवेदन किया और प्रक्रिया के तहत मकान बनाए। कई परिवारों ने मकान बनाने के लिए बैंक से होम लोन लिया है। लोगों का कहना है कि बैंक की किस्तें अभी भी चल रही हैं। यदि मकान टूटते हैं तो उन्हें एक तरफ लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान होगा और दूसरी तरफ बैंक का कर्ज भी चुकाना पड़ेगा।

हमीदिया में मकान तोड़ा तो विरोध के बाद रोकनी पड़ी कार्रवाई

नगर निगम ने बीते दिनों हमीदिया कॉलोनी में एक मकान पर कार्रवाई की थी। मकान तोड़े जाने के बाद बड़ी संख्या में रहवासी विरोध में सामने आ गए। विरोध बढ़ने पर कार्रवाई रोकनी पड़ी। इसके बाद निगम प्रशासन ने बीहर नदी के ग्रीन बेल्ट क्षेत्र का व्यापक सर्वे कराया। सर्वे में वार्ड 1, 2, 3 और 5 में 226 निर्माण चिह्नित किए गए हैं। अब निगम ने इन निर्माणों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नोटिस जारी होने के बाद प्रभावित परिवारों में अपने मकान को लेकर चिंता बढ़ गई है।

नोटिस में साफ 3 दिन में खुद हटाएं, नहीं तो निगम करेगा कार्रवाई

नगर निगम के नोटिस में भवन मालिकों को तीन दिन का समय दिया गया है। उन्हें स्वयं चिह्नित निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा नहीं करने पर निगम द्वारा कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। निगम ने नोटिस में नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 307 का उल्लेख किया है। निर्माण अनुज्ञा की शर्तों के उल्लंघन को आधार बनाकर कार्रवाई की जाएगी। निगम द्वारा की जाने वाली कार्रवाई में खर्च होने वाली राशि भी संबंधित भवन मालिक से वसूल किए जाने की बात कही गई है।

नक्शा निगम ने पास किया तो गलती हमारी ही क्यों?

रहवासियों का सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि भवन निर्माण की अनुमति नगर निगम की प्रक्रिया के तहत मिली थी तो अब पूरे निर्माण की जिम्मेदारी सिर्फ भवन मालिकों पर कैसे डाली जा सकती है। लोगों का कहना है कि नक्शा पास करते समय निगम के अधिकारियों ने जमीन की स्थिति, ग्रीन बेल्ट और निर्माण की वैधता की जांच की होगी। यदि उस समय निर्माण नियमों के विपरीत था तो अनुमति क्यों दी गई? किस अधिकारी ने भवन अनुज्ञा जारी की? किसने स्थल निरीक्षण किया? किस स्तर पर ग्रीन बेल्ट में निर्माण को अनुमति मिली? इन सवालों के जवाब भी सामने आने चाहिए। प्लॉटिंग के वक्त नहीं रोका, मकान बनने के बाद कार्रवाई क्यों? रहवासियों का कहना है कि ग्रीन बेल्ट में प्लॉटिंग और निर्माण एक दिन में नहीं हुआ। वर्षों तक यहां जमीन की खरीद-बिक्री, प्लॉटिंग और मकान निर्माण चलता रहा। ऐसे में निगम और संबंधित विभागों का अमला समय रहते कार्रवाई कर सकता था। यदि निर्माण नियम विरुद्ध था तो नींव पड़ने के समय ही रोक क्यों नहीं लगाई गई? निर्माण पूरा होने और परिवारों के रहने के बाद कार्रवाई शुरू होने से सबसे ज्यादा परेशानी आम लोगों को हो रही है।

बारिश में जलभराव बढ़ा तो जागा निगम

रीवा में पिछले कुछ वर्षों से बारिश के दौरान बीहर नदी और शहर के नालों के आसपास जलभराव की समस्या लगातार सामने आती रही है। कई इलाकों में बारिश का पानी घरों और सड़कों तक पहुंच जाता है। नदी के बहाव क्षेत्र और ग्रीन बेल्ट में लगातार बढ़ते निर्माण को भी इस समस्या से जोड़कर देखा जा रहा है। नगर निगम अब जमीनी स्थिति का सर्वे कर जलभराव के स्थायी समाधान की कार्ययोजना तैयार कर रहा है। इसी क्रम में नदी के किनारे ग्रीन बेल्ट में बने निर्माणों को चिह्नित किया गया है।हालांकि कार्रवाई का समय और तरीका सवालों के घेरे में है। जब निर्माण शुरू हो रहे थे, तब रोकने के बजाय अब सैकड़ों परिवारों के घर बनने के बाद कार्रवाई क्यों? यही सवाल प्रभावित लोगों की ओर से उठाया जा रहा है।

समीर लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक परीक्षा में हुए चयनित

रीवा। रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय रीवा में अतिथि व्याख्याता गणित के पद पर कार्यरत समीर सिंह का चयन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक गणित परीक्षा 2024 में हुआ है । समीर की प्रारंभिक शिक्षा ज्योतिवाराव उ. मा. विद्यालय जवा तथा हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी की पढ़ाई गुरुकुल विद्यालय रीवा से हुई,समीर सिंह ने स्नातक तथा स्नातकोत्तर की पढ़ाई उत्कृष्टता संस्थान भोपाल से पूर्ण कर वर्ष 2022 में गणितीय विज्ञान में नेट (जे आर एफ़) की परीक्षा उत्तीर्ण की,



समीर के पिता कमला प्रसाद सेवानिवृत्त शिक्षक है और आप ग्राम-छदहना, तहसील-जवा, जिला-रीवा के मूल निवासी हैं समीर सिंह ने इस सफलता का श्रेय माता पिता, शिक्षकों, तथा रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय में किए गए अध्यापन कार्य को दिया है । समीर की सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर पी तिवारी, पूर्व प्राचार्य डॉ डी के सिंह ,डीन छात्र कल्याण डॉ सन्दीप पांडेय, डीन अकादमिक डॉ डी के जैन, विभागाध्यक्ष गणित डॉ यू के द्विवेदी, विभागाध्यक्ष रसायन डॉ मनोज सोलंकी, प्राध्यापक डॉ बी आर घोरमारे सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने हर्ष व्यक्त किया है ।

डिप्टी कमिश्नर को ज्ञापन सौंप जांच और कार्रवाई की मांग

महापौर के सरकारी चैंबर में कांग्रेस का सदस्यता अभियान, भाजपा पार्षदों ने जताई आपत्ति

रीवा। नगर निगम के महापौर कक्ष में कांग्रेस के सदस्यता अभियान को लेकर रीवा की नगर निगम राजनीति गरमा गई है। महापौर अजय मिश्रा बाबा के चैंबर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाए जाने के मामले पर भाजपा पार्षदों ने बुधवार को नगर निगम कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा पार्षदों ने सवाल उठाया कि नगर निगम एक शासकीय निकाय है या किसी राजनीतिक दल का कार्यालय, जहां पार्टी का सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। विरोध के दौरान भाजपा पार्षदों ने महापौर कक्ष में कांग्रेस कार्यालय का बोर्ड भी लगा दिया। इसके बाद पार्षदों ने नगर निगम अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने और नियमानुसार कार्रवाई की मांग की।

बताया गया कि बीते दिवस नगर निगम कार्यालय स्थित महापौर के चैंबर में महापौर अजय मिश्रा



बाबा की मौजूदगी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। कार्यक्रम में कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे। सदस्यता अभियान की जानकारी सामने आने के बाद भाजपा पार्षदों ने इसे लेकर आपत्ति दर्ज कराई। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष दीनानाथ वर्मा ने कहा कि यदि कांग्रेस को सदस्यता अभियान चलाना है तो वह अपने पार्टी कार्यालय, मैदान या किसी अन्य निर्धारित स्थान पर कार्यक्रम आयोजित कर सकती है। इसके लिए नगर निगम की शासकीय संपत्ति और कार्यालय का उपयोग क्यों किया गया, यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि नगर निगम किसी राजनीतिक दल का कार्यालय नहीं, बल्कि जनता का शासकीय निकाय है। भाजपा पार्षदों ने प्रदर्शन के बाद नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में महापौर चैंबर में कांग्रेस के सदस्यता कार्यक्रम के आयोजन की जांच कराने की मांग की गई है। पार्षदों ने कहा कि यदि शासकीय कार्यालय का उपयोग राजनीतिक गतिविधि के लिए किया गया है तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

महापौर कक्ष के बाहर लगाया कांग्रेस कार्यालय का बोर्ड

भाजपा पार्षदों ने विरोध दर्ज कराने के लिए महापौर कक्ष में कांग्रेस कार्यालय का बोर्ड लगा दिया। उनका कहना था कि यदि सरकारी कार्यालय में राजनीतिक दल की गतिविधियां संचालित होंगी तो फिर उसे पार्टी कार्यालय ही माना जाना चाहिए। इस दौरान पार्षदों ने निगम प्रशासन से मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग की।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल कलेक्ट्रेट के सामने फूंका पुतला, इस्तीफे की मांग

सिरमौर चौराहे से कलेक्ट्रेट तक निकला विरोध मार्च

रीवा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस ने बुधवार को रीवा में जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण और शहर के संयुक्त तत्वावधान में सिरमौर चौराहे से कलेक्ट्रेट तक विरोध मार्च निकाला गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहनाकर एक व्यक्ति को हथकड़ी लगाई और उसे प्रतीकात्मक रूप से गिरफ्तार कर कलेक्ट्रेट तक ले गए। कलेक्ट्रेट के सामने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंककर कांग्रेस ने विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन में कांग्रेस के जिला संगठन प्रभारी एवं पूर्व विधायक रामलखन सिंह पटेल मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष इंजीनियर राजेंद्र शर्मा ने की। पूर्व राज्यसभा सदस्य राजमणि पटेल, महापौर अजय मिश्रा बाबा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया सामान्य मतदाता के लिए जटिल है। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जोड़ने और संशोधन से जुड़े प्रावधानों को लेकर भी चुनाव आयोग से जवाब मांगा। प्रदर्शन की शुरुआत सिरमौर चौराहे पर महात्मा गांधी और राजीव गांधी की प्रतिमा के पास धरने से हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे लेकर कलेक्ट्रेट की ओर रवाना हुए। रास्तेभर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। रैली में ज्ञानेश कुमार का मुखौटा लगाए व्यक्ति को हथकड़ी लगाकर आगे ले जाया गया। कार्यकर्ताओं ने इसे चुनाव प्रक्रिया को लेकर अपनी





नाराजगी का प्रतीक बताया। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन किया। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास पुलिस बल तैनात रहा। रैली के दौरान पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने और उनके कार्यकाल में लिए गए निर्णयों की स्वतंत्र समीक्षा की मांग को लेकर पार्टी का आंदोलन जारी रहेगा। नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शन में जिला, ब्लॉक और मंडल स्तर के पदाधिकारियों के साथ महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल, अल्पसंख्यक विभाग और विभिन्न प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता शामिल रहे।

संजय गांधी अस्पताल और सिरमौर चौराहे से बाइक उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

दो मोटर साइकिलें बरामद, डेढ़ लाख का मशरूका जब्त

रीवा। शहर के संजय गांधी अस्पताल और सिरमौर चौराहे से मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में अमहिया पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बरामद वाहनों की कुल कीमत करीब 1.50 लाख रुपए बताई गई है। आरोपी की पहचान उमेश पटेल पिता राजबहोर पटेल, निवासी सेमरिया, जिला रीवा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शहर में लगातार हो रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन में वाहन चोरों की धरपकड़ के लिए अमहिया थाना प्रभारी मनोज कुमार गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी,जांच के दौरान पुलिस को संजय



गांधी अस्पताल परिसर और सिरमौर चौराहे से मोटरसाइकिल चोरी होने के मामलों में महत्वपूर्ण सुराग मिले। पुलिस टीम ने संदिग्धों की जानकारी जुटाते हुए आरोपी उमेश पटेल तक पहुंच बनाई। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद कर लीं। बरामद वाहनों में विक्रांता मोटरसाइकिल की अनुमानित कीमत 90 हजार रुपए और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल की कीमत करीब 60 हजार रुपए बताई गई है। दोनों वाहनों की कुल कीमत 1 लाख 50 हजार रुपए है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार गौतम, सहायक उपनिरीक्षक मनोज प्रजापति, प्रधान आरक्षक रामदेव मिश्रा, प्रधान आरक्षक केमला प्रसाद, आरक्षक विकास तिवारी, आरक्षक शंकरदत्त और योगेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उड़ीसा जेल में रची थी फरारी की साजिश, प्रोडक्शन वारंट के जरिए रीवा लाने की खुद कराई थी तैयारी

छुहिया घाटी में पुलिस कस्टडी से छुड़ा ले गए साथी, रीवा-सीधी-मऊगंज की कई टीमें तलाश में जुटीं

रीवा। उड़ीसा पुलिस की अभिरक्षा से कुख्यात गांजा तस्कर आदित्य मिश्रा के फरार होने के मामले में जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे वारदात की पूरी प्लानिंग सामने आने लगी है। पुलिस जांच में प्रारंभिक तौर पर यह बात सामने आई है कि आदित्य ने अपने साथियों के साथ मिलकर उड़ीसा की जेल में ही पुलिस कस्टडी से भागने की साजिश तैयार की थी। इस साजिश को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कथित पत्नी और उसके संपर्क में रहने वाले लोगों की मदद लिए जाने की बात भी जांच में सामने आई है। बताया जा रहा है कि आदित्य मिश्रा को उड़ीसा से रीवा न्यायालय लाने की प्रक्रिया की जानकारी पहले से थी। इसी बीच उसकी ओर से न्यायालय में प्रोडक्शन वारंट के लिए आवेदन लगाए जाने की बात सामने आई है। पुलिस अब इस आवेदन से लेकर उसे उड़ीसा से रीवा लाए जाने तक की पूरी कड़ी को खंगाल रही है। जांच का मुख्य बिंदु यही है कि आदित्य को रीवा लाए जाने की जानकारी उसके साथियों तक कैसे पहुंची और छूहीया घाटी में पुलिस वाहन की गतिविधि का पता बदमाशों को किस माध्यम से चला। पुलिस के अनुसार, उड़ीसा पुलिस आदित्य मिश्रा को लेकर रीवा न्यायालय की ओर आ रही थी। रीवा-सीधी सीमा पर स्थित छूही घाटी के पास पहुंचते ही बदमाशों ने पुलिस अभिरक्षा वाले वाहन को निशाना बनाया। आरोप है कि पहले से घात लगाए बदमाशों ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया और आदित्य मिश्रा को अपने कब्जे से छुड़ाकर फरार हो गए।ववारदात के दौरान बदमाशों की संख्या, इस्तेमाल किए गए वाहनों और उनकी भूमिका को लेकर पुलिस अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और रीवा, सीधी सहित आसपास के जिलों की पुलिस को अलर्ट किया गया।

सफाई मित्रों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान के लिए नगर निगम प्रतिबद्ध : महापौर

अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में आयोजित हुआ सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर

सिंगरौली। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन में नगर पालिक निगम सिंगरौली द्वारा सफाई मित्रों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण के उद्देश्य से सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का आयोजन अटल सामुदायिक भवन, बिलौजी में किया गया। शिविर में नगर निगम की महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल, नगर निगम अध्यक्ष श्री देवेश पाण्डेय एवं नगर निगम आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान उपस्थित रहीं। शिविर के दौरान सफाई मित्रों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण एवं योजनाओं से संबंधित पंजीयन तथा आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई।शिविर में आयुष्मान भारत, संबल सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। नगर निगम के उपायुक्त श्री आर.पी. बैस ने सफाई मित्रों को योजनाओं की पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पंजीयन एवं आवेदन प्रक्रिया में भी सहयोग प्रदान किया गया।इस अवसर पर महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल ने कहा कि सफाई मित्र शहर की स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनके योगदान से ही स्वच्छ एवं सुंदर शहर का



निर्माण संभव है। सफाई मित्रों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान एवं कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए नगर निगम निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से सफाई मित्रों को योजनाओं की जानकारी और आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे वे अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। नगर निगम अध्यक्ष श्री देवेश पाण्डेय ने कहा कि सफाई मित्र विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके श्रम और योगदान का सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। नगर निगम द्वारा सफाई मित्रों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सफाई मित्रों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया। शिविर में नेता प्रतिपक्ष श्रीमती सीमा जायसवाल, पार्षद श्री आशीष बैंस, पार्षद प्रतिनिधि श्री नीरज कुशवाहा सहित नगर निगम के संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में सफाई मित्र उपस्थित रहे।

महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच-उपचार हेतु एनसीएल ने एनएससीबीएमसी के साथ किया एमओयू

सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने सिंगरौली एवं सीधी जिलों की महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर की समय पर जांच, शुरुआती पहचान एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीएसआर के तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज (एनएससीबीएमसी), जबलपुर के साथ एमओयू किया।



उक्त एमओयू के तहत एनसीएल द्वारा एनएससीबीएमसी, जबलपुर को दो वर्ष की अवधि के लिए विशेष ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग एम्बुलेंस के संचालन हेतु लगभग 2.80 करोड़ रुपये का वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाएगा। यह मोबाइल स्क्रीनिंग वैन सिंगरौली एवं सीधी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर की शुरुआती जांच की सुविधा उपलब्ध कराएगी। एनसीएल की इस सीएसआर पहल का उद्देश्य महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की समय रहते पहचान कर आवश्यक उपचार सुनिश्चित करना है। स्क्रीनिंग के दौरान रोगी महिलाओं को आगे चिकित्सकीय जांच अथवा उपचार हेतु नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर रेफर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एमओयू के अंतर्गत एनएससीबीएमसी, जबलपुर में 'आईसीजी फ्लोरोसेंस गाइडेड प्रिसिजन सर्जरी' की सुविधा भी स्थापित की जाएगी। इस सुविधा के माध्यम से एनसीएल द्वारा शुरुआती 500 सर्जरी निःशुल्क कराई जाएगी। इससे जरूरतमंद महिलाओं को आधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। एनसीएल की यह पहल सिंगरौली एवं सीधी के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की शीघ्र पहचान और समयबद्ध उपचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के डीन प्रो. डॉ. नवनीत सक्सेना, प्रबंधक (सीएसआर)पारुल यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।